Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. **2/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में **तीन** खंड हैं – **क, ख, ग** ।*

*(ii) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।

https://www.evidyarthi.in/

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी – उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका । महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की । गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया । उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना । अपनी 'आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं – "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है । इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता । यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई । जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ" । आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए । अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा । उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ? **1**

(ग) महात्मा गांधी के लिए सामाजिक सुधारों के लिए संघर्ष क्यों महत्त्वपूर्ण था ? **2**

(घ) गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी और क्यों ? **2**

(ङ) कौन लोग धर्म को नहीं जानते ? उनके प्रति गांधीजी ने ऐसी धारणा क्यों बनाई ? **2**

(च) गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए ? **2**

(छ) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि स्वाधीनता की व्यापक पहचान क्या होनी चाहिए ? क्यों ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम !

कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
– उनको प्रणाम !

https://www.evidyarthi.in/

जो छोटी–सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि–पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
– उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह–रह नव–नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम–समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
– उनको प्रणाम !

कृत–कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
– उनको प्रणाम !

(क) कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?
(ख) छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है ?
(ग) उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है ?
(घ) समाज किन लोगों को भी भुला देता है ?

अथवा

क्या कुटिल व्यंग्य ! दीनता वेदना से अधीर, आशा से जिनका नाम रात–दिन जपती है,
दिल्ली के वे देवता रोज कहते जाते, 'कुछ और धरो धीरज, किस्मत अब छपती है ।'

किस्मतें रोज छप रहीं, मगर जलधार कहाँ ? प्यासी हरियाली सूख रही है खेतों में,
निर्धन का धन पी रहे लोभ के प्रेत छिपे, पानी विलीन होता जाता है रेतों में ।

हिल रहा देश कुत्सा के जिन आघातों से, वे नाद तुम्हें ही नहीं सुनाई पड़ते हैं ?
निर्माणों के प्रहरियो ! तुम्हें ही चोरों के काले चेहरे क्या नहीं दिखाई पड़ते हैं ?

तो होश करो, दिल्ली के देवो, होश करो, सब दिन तो यह मोहिनी न चलने वाली है,
होती जाती है गर्म दिशाओं की साँसें, मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है ।

(क) गरीबों के प्रति कुटिल व्यंग्य क्या है ?
(ख) निर्धन की त्रासदी क्या है ?
(ग) शासक वर्ग को 'दिल्ली के देवता' क्यों कहा गया है ?
(घ) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ?

https://www.evidyarthi.in/

खंड 'ख'

3. नीचे दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) लोकतंत्र और हमारा दायित्व

(ख) बाल मजदूरी हमारे घरों में

(ग) लोकतंत्र में चुनावों की भूमिका

(घ) इंटरनेट एक वरदान

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय सेना के जवानों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन करते हुए सेना की भूमिका रेखांकित कीजिए। **5**

अथवा

छात्र-परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की ज़िम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

(क) लोकतंत्र का चौथा खंभा किसे कहा जाता है और क्यों ?

(ख) फीचर किसे कहते हैं ?

(ग) संपादन के दो सिद्धांत बताइए।

(घ) लोकतंत्र में जनसंचार के दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ?

6. 'बदल रही है सरकारी विद्यालयों की छवि' विषय पर एक आलेख लिखिए। **3**

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी पाक-विधि की पुस्तक की समीक्षा लिखिए।

7. 'विद्यालय स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। **3**

अथवा

आपकी बस्ती के निकट लगने वाले साप्ताहिक बाजार को विषय बनाकर एक फीचर तैयार कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस ।।
हरषि राम भेटेउ हनुमाना । अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई । उठि बैठे लछिमन हरषाई ।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता । हरषे सकल भालु कपि ब्राता ।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा । जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ।।

(क) हनुमान के आगमन को करुण रस के बीच वीर रस की उत्पत्ति क्यों कहा गया है ?

(ख) 'अति कृतज्ञ' कौन हुआ और क्यों ?

(ग) इन पंक्तियों में वर्णित भाइयों के प्रेम-भाव की आज के जीवन में प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जानें !
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जानें ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(ख) कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ?

(ग) कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?

https://www.evidyarthi.in/

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 = 4**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर
मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(क) काव्यांश के अलंकार सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) "पतंग" कविता में बच्चों द्वारा 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' से कवि का क्या आशय है ?

(ख) 'कवितावली के छंदों में अपने युग की आर्थिक एवं सामाजिक विषमता की अभिव्यक्ति है' कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) "कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है' ? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(घ) उषा कविता के आधार पर गाँव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है । दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं । मौज में आठों याम मस्त रहते हैं । एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक । कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है ।

(क) लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

(ख) लेखक यह क्यों मानता है कि अनासक्त हृदय से ही मेघदूत जैसा श्रेष्ठ काव्य उपज सकता है ?

(ग) वर्तमान के संघर्षपूर्ण जीवन में शिरीष के माध्यम से लेखक क्या संकेत देना चाह रहा है ?

अथवा

https://www.evidyarthi.in/

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

(क) लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक-स्वामी का संबंध होने में संदेह क्यों है ?

(ख) लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है ?

(ग) लेखिका और भक्तिन के परस्पर संबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) जीवन संघर्षों ने चार्ली चैपलिन के व्यक्तित्व को कैसे निखारा ? **3**

(ख) लेखक ने क्यों कहा कि 'मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ' ? **3**

(ग) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति थोप देने की घटना के विरोध में टिप्पणी लिखिए । **3**

(घ) लुट्टन पहलवान ने ढोल को अपना गुरु क्यों कहा ? **1**

13. यशोधर बाबू जीवन में नए और पुराने के द्वंद्व में फंस गए हैं, आपके विचार से उन्हें क्या करना चाहिए और क्यों ? **4**

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी ने नितान्त निजी अनुभवों को भी विस्मृति से बचाने के प्रयास में अपने समय और समाज का प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर दिया है, कैसे ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **4 × 2 = 8**

(क) 'सिन्धु की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी', इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों ?

(ख) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर महिलाओं की तत्कालीन स्थिति का उल्लेख करते हुए बताइए कि आज के समय में क्या बदलाव आ रहे हैं ?

(ग) 'जूझ' पाठ के पात्र दत्ताजी राव देसाई ने लेखक के जीवन को कैसे प्रभावित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए ।

(घ) यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था ? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे ?

https://www.evidyarthi.in/

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
परीक्षा – मार्च, 2019
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध 2/1/1
2/1/2
2/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				खंड – क	
1.	1.	1.	1.	**अपठित गद्यांश**	
	क	क	क	• स्वतंत्रता और समानता • स्वाधीनता की पहचान (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
	ख	ख	ख	अहिंसक/नए ढंग के संघर्ष से स्वाधीनता की प्राप्ति	1
	ग	ग	ग	सामाजिक ढाँचे के भीतर समानता से ही स्वाधीनता बोध की सच्ची अनुभूति	2
	घ	घ	घ	• सभी प्राणियों के प्रति आत्मवत प्रेम–भाव; • सत्य को पाने का यही मार्ग	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• जो राजनीति और धर्म के संबंध को नहीं मानते हैं; • गाँधीजी धर्म के कल्याणकारी व्यापक स्वरूप	1+1=2

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				को जानते थे	
	च	च	च	जहाँ सामाजिक–आर्थिक स्तर पर अब तक दबे हुए, कमज़ोर और वंचितों की मुक्ति संभव हो	2
	छ	छ	छ	• राजनीतिक मुक्ति के साथ–साथ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति; • ताकि सबको स्वाधीनता का संपूर्ण बोध हो सके	1+1=2
2.	2.	2.	2.	**अपठित काव्यांश**	
	क	क	क	उनके प्रयासों की सराहना हेतु/प्रयासों के महत्व को उजागर करने के लिए	1
	ख	ख	ख	ऐसे लोग ही दुनिया में नई खोजों और व्यापक/बड़े परिवर्तनों के कारण होते हैं	1
	ग	ग	ग	बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रयास में अपनी जान गँवा देना	1
	घ	घ	घ	समाज की भलाई के लिए अपना बलिदान देने वालों को भी	1

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	शासन द्वारा धैर्य रखने और किस्मत बदलने की बात कहना	1
	ख	ख	ख	हर योजना और राहत के उपाय को लोभी बिचौलिए हड़प जाते हैं।	1
	ग	ग	ग	वे स्वयं को सर्व समर्थ/भाग्य विधाता मानते हैं।	1
	घ	घ	घ	कि जनता में रोष भर रहा है; क्रांति/परिवर्तन समीप है	½+½=1
				<u>खंड–ख</u>	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर अनुच्छेद अपेक्षित** • विषय–वस्तु 3 • प्रस्तुति और भाषा 2	5
4.	4.	4.	4.	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1 • विषयवस्तु 3	5

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• भाषा 1	
5.	5.			**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	1x4=4
	क	–	–	• प्रेस/मीडिया को; • यह जनता को जागरूक करता है/जनता की आवाज बनता है	½+½=1
	ख	–	–	सुव्यवस्थित आत्मनिष्ठ सृजनात्मक लेखन जो मुख्यतः मनोरंजन के लिए लिखा जाता है	1
	ग	–	–	• तथ्यों की शुद्धता • वस्तुपरकता • निष्पक्षता • संतुलन • स्रोत की विश्वसनीयता (किन्हीं दो सिद्धांतों का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	घ	–	–	• सूचना देना • शिक्षित करना • मनोरंजन करना • एजेंडा तय करना • निगरानी करना • विचार–विमर्श का मंच उपलब्ध कराना आदि	½+½=1

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				(किन्हीं दो कार्यों का उल्लेख अपेक्षित)	
	ङ	–	–	समाचार माध्यमों के लिए पत्रकारों द्वारा किया गया लेखन	1
		5.			
	–	क	–	सनसनीखेज खबरों को प्रकाशित करना प्रायः जिनका उपयोग प्रायः किसी के चरित्र हनन के लिए होता है	1
	–	ख	–	• लिखित भाषा का विस्तार • व्याकरण, वर्तनी और शब्दों के उपयुक्त प्रयोग • बोलचाल की भाषा का प्रयोग • लोकोक्तियों और मुहावरों का प्रयोग • संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग नहीं (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	–	ग	–	• समाचार संगठन में द्वारपाल की भूमिका • समाचारों का चयन एवं प्रस्तुति • सामग्री की अशुद्धियों को दूर कर उसे पठनीय बनाना • निष्पक्षता, तथ्यपरकता एवं विश्वसनीयता को बनाए रखना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1 / 1	2 / 1 / 2	2 / 1 / 3		
	–	घ	–	गहराई से छानबीन करके दबाए या छुपाए जा रहे तथ्यों को सामने लाना	1
	–	ङ	–	• पत्रकारिता का तीव्रगामी माध्यम • समेकित माध्यम – दृश्य, श्रव्य एवं प्रिंट की सुविधाएँ एक ही माध्यम में • तत्काल अपडेशन की सुविधा • तकनीक के साथ सामंजस्य – विभिन्न उपकरणों पर मौजूद (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
			5.		
	–	–	क	छिपे कैमेरे द्वारा रिकार्ड कर भ्रष्टाचार / अनैतिक / गुप्त कार्यों या बातचीत को उजागर करना	1
	–	–	ख	किसी बड़ी खबर को तत्काल ही लिखकर या बोलकर प्रसारित करना	1
	–	–	ग	संचार प्रक्रिया में प्राप्तकर्ता तक संदेश पहुँचाने का जरिया ; • समाचार पत्र • पुस्तक • रेडियो	

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• टेलीविजन • इंटरनेट • फिल्म आदि (किन्हीं दो माध्यमों का उल्लेख करने पर भी पूरे अंक दिए जाएँ।)	½+½=1
	–	–	घ	• श्रव्य माध्यम है जहाँ ध्वनि, स्वर और शब्दों का खेल • सुनते हुए अपना कार्य करने की स्वतंत्रता • निरक्षरों के लिए भी उपयोगी (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ङ	किसी विषय/सूचना या घटना के संदर्भ में पूर्वधारणाओं/पूर्वाग्रहों या पहले से सृजित छवियों से अलग होकर सोचना/यथार्थ के नजदीक जाकर सोचना	1
6.	6.	6.	6.	**आलेख लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा और प्रस्तुति 1 **अथवा** **पुस्तक समीक्षा** • विषय–वस्तु 2	3

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• भाषा एवं प्रस्तुति 1	3
7.	7.	7.	7.	**फीचर लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा एवं प्रस्तुति 1	3
				खंड – ग	
8.	8.	8.	8.	**किसी एक काव्यांश पर पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	2x3=6
	क	क	क	• लक्ष्मण के घायल होने पर प्रभु राम और उनकी सेना शोकग्रस्त होकर करुणा के सागर में • संजीवनी बूटी के साथ हनुमान के आते ही सर्वत्र हर्ष और वीरता के भावों का प्रस्फुटन	1+1=2
	ख	ख	ख	• प्रभु राम; • हनुमान ने संजीवनी बूटी लाकर राम और उनकी सेना को लक्ष्मण के घायल होने के शोक से उबार दिया	1+1=2
	ग	ग	ग	पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों के स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर पर अंक दिए जाएँ।	2

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	बच्चों के खेल में घरों की सीमा या किसी मर्यादा–बंधन की संभावना नहीं	2
	ख	ख	ख .	• कविता और बच्चे दोनों ही भावों से भरे, कहीं भी खेल प्रकट हो जाता है, • बंधनों को नहीं मानते, • कल्पनाएँ असीम होती हैं	2
	ग	ग	ग	• दोनों ही खिलते हैं, विकसित होते हैं; • फूल मुरझा जाते हैं • कविता हमेशा के लिए होती है	2
9.	9.	9.	9.	**काव्यांश पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर–**	2+2=4
	क	क	क	• उत्प्रेक्षा अलंकार – आकाश मानो केसर से धुली सिल हो • अनुप्रास अलंकार – काली सिल	2
	ख	ख	ख	• उषाकालीन आकाश उस काली सिल जैसे निर्मल	

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				और स्वच्छ है जिसे लाल केसर से धुल गया हो	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	• विरोधाभास अलंकार, अनुप्रास अलंकार	1+1=2
	ख	ख	ख	• संसार में रहकर भी उसकी प्रवृत्तियों का विरोध • रोदन में राग–शीतल वाणी में आग जैसी विरोधाभासी स्थितियों को साधते हुए भी फक्कड़पन और मस्ती	1+1=2
10.				**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	3x2=6
	10.				
	क	–	–	• छत पर सभी दिशाओं में दौड़ते बच्चे • खेल का उत्साहपूर्ण कोलाहल • बच्चों के कोमल चरणों के आघात की ध्वनि की गूँज चारों तरफ	3
	ख	–	–	कवितावली में तुलसी ने युगीन समस्याओं – अकाल, गरीबी, बेरोजगारी, व्यापार की हानि	3

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				से उत्पन्न सामाजिक विषमता को प्रमुखता से अभिव्यक्ति दी है। (किन्हीं तीन समस्याओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ग	–	–	चैनलों/दूरदर्शन द्वारा अपाहिज व्यक्तियों की बेबसी को दर्शाकर करुणा पैदा करने के पीछे क्रूरतापूर्वक व्यावसायिक उद्देश्यों का संचालन (परीक्षार्थी के अन्य तर्कसंगत विचार भी स्वीकार्य)	3
	घ	–	–	• प्रातःकाल की रंगत बहुत नीले शंख जैसी • ओस से भरा भोर का नभ राख से लीपे हुए चौके जैसा • उषाकालीन आकाश लाल केसर से धुली काली सिल जैसा निर्मल और स्वच्छ • खुले तालाब में स्नान करती युवतियाँ	3

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
		10			
	–	क	–	• कवि अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व के साथ भी समाज में रहते हुए उसकी जिम्मेदारियों को उठाता है; • लेकिन साथ ही सांसारिक बंधनों एवं रूढ़ियों के प्रति उपेक्षा एवं टकराव का भाव रखता है।	1½+1½
	–	ख	–	• खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा • शरद ऋतु का पुलों को पार करते हुए नई साइकिल पर आना • घंटी बजाते हुए आना (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	3
	–	ग	–	• कहने के लिए कोई बात या विषय का होना • निरर्थक शब्द आडंबर से बचना • उचित प्रयोग से ही बात में अर्थ, भाव और संप्रेषणीयता	3
	–	घ	–	• सुख–दुख, अच्छा–बुरा सभी स्थितियों को स्वीकार करना • गरीबी के साथ ही अपने मूल्यों पर दृढ़ता से टिके रहना, आत्मसम्मान का भाव	3

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	–	ङ	–	• अपने ऊपर तरस खाने या नकली सहानुभूति का तिरस्कार • आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव • अपनी भक्ति पर अभिमान • भीख माँग का खाने या मस्जिद में सोने को तैयार लेकिन आत्मसम्मान से समझौता नहीं • सामाजिक दिखावे या यश–निंदा की परवाह नहीं	3
	–	–	10. क	• जीवन के अकेलेपन की पीड़ा की अभिव्यक्ति • कर्मरत पथिक की थकान इस विचार से दूर हो जाती है कि उसके परिजन उसकी प्रतीक्षा में हैं • अकेलेपन का बोध लौटते कदमों को शिथिल एवं मन को विह्वल करता हैं।	3
	–	–	ख	• व्यावसायिक उद्देश्यों से संचालित पत्रकारिता द्वारा पीड़ा को प्रस्तुत करने का कारोबार • स्टूडियो के भीतर की दुनिया के असंवेदनशील रवैयों को उजागर करना • करुणा जगाने के उद्देश्य से बन रहे कार्यक्रम में क्रूर बनकर अपाहिज व्यक्तियों के दुख–दर्द को बेचना	3

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	–	–	ग	• खेती के कर्म के रूपक में कविता सर्जन की प्रक्रिया प्रस्तुत • किसान द्वारा खेत में बीज बोने से फसलों की पैदावार : कवि द्वारा कागज के पन्ने पर विचार–भाव डालने से कविता का सृजन • कृषि की भाँति कविता–सृजन भी श्रमसाध्य कार्य	3
	–	–	घ	• फिराक की रूबाइयों में हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का समन्वय करती भाषा का इस्तेमाल • 'लोका देना', 'घुटनियों में लेकर कपड़े पिन्हाना', 'गेसुओं में कंघी करना', 'रूपवती मुखड़ा', 'नर्म दमक', 'जिदयाया चाँद', 'रस की पुतली', जैसे विलक्षण भाषा प्रयोग लोकभाषा के संवादात्मक रूप से निकले हुए (किन्हीं तीन भाषा प्रयोगों का उल्लेख अपेक्षित)	3
11.	11.	11.	11.	**गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर–**	2x3=6
	क	क	क	• सुख–दुख में संन्यासी की तरह निर्विकार • उस पर किसी काल का असर नहीं, आठों पहर मस्त रहना	2

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	ख	ख	ख	अनासक्त हृदय जो विभिन्न स्थितियों में अविचल रहता है वही जीवन के यथार्थ का सम्यक चित्रण कर श्रेष्ठ काव्य की रचना में समर्थ	2
	ग	ग	ग	वर्तमान संघर्षों में अविचलित रहकर, जिजीविषा बनाए रखकर शिरीष के जैसे किसी से हार नहीं मानना और फक्कड़ाना मस्ती से जीना	2
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	क्योंकि महोदवी चाहकर भी भक्तिन को अपनी सेवा से हटा नहीं सकतीं, ऐसा आदेश भक्तिन अवज्ञापूर्ण हँसी से टाल देती	2
	ख	ख	ख	सामान्यतः नौकर मालिक की इच्छानुसार कार्य करता है जबकि भक्तिन अपनी इच्छा से और अपने ही तरीके से कार्य करती	2
	ग	ग	ग	• सहज एवं अनिवार्य जैसा संबंध • लेखिका द्वारा भक्ति के स्वतंत्र अस्तित्व को महसूस करना • प्रकृति के तत्वों के समान जीवन के चारों ओर अभिन्न अंग के रूप में परस्पर संबंध को देखना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
12	12			**चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	10
	क	–	–	• एक परित्यक्ता एवं मानसिक रोगी माँ के पुत्र चार्ली ने बचपन ही भयावह गरीबी और हर कदम पर दुत्कार का सामना किया • समाज के हर स्तर एवं हर तबके से वास्ता रहा • जटिल जीवन स्थितियों के संघर्ष में चार्ली का व्यक्तित्व निखरकर सामने आया	3
	ख	–	–	खाली मन वाला बाज़ार के जादू का आसानी से शिकार बन जाता है, हर चीज़ उसे निमंत्रण देती है, उसे हर सामान जरूरी लगता है।	3
	ग	–	–	पंचायत का निर्णय स्त्री विरोधी, मानवाधिकारों का उल्लंघन (अन्य तर्कसंगत बिंदु भी स्वीकार्य)	3
	घ	–	–	लुट्टन का कोई गुरु नहीं, स्वयं ही दांव–पेंच सीखे; ढोल की आवाज से ही उसे लड़ने का जोश मिलता	½+½=1
	–	12. क	–	• बीमार होने पर चार्ली को माँ ने ईसामसीह का जीवन बाइबिल से पढ़कर सुनाया, सूली	

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				चढ़ाने के अंश पर दोनों खूब रोए • कसाईखाने से भागी भेड़ को पकड़ कर कसाई के पास ले जाने की घटना देख चार्ली द्वारा रोना एवं अपनी माँ से कहना कि – 'उसे मार डालेंगे'	1½+1½
	–	ख	–	• बाज़ार का जादू कमजोर मन के मनुष्य को बेबस कर देता है, उसके पास जो भी धन है वह उससे चीजें खरीदता चला जाता है। • जादू के प्रभाव से क्या लें और क्या छोड़ें का विवेक समाप्त हो जाता है • बाज़ार का जादू आँखों के रास्ते प्रभाव डालता है।	3
	–	ग	–	• आज के लोग ईश्वर, प्रकृति, देश या समाज सब से माँग करते हैं लेकिन उसके लिए त्याग की भावना नहीं रखते • अपने स्वार्थ की सिद्धि ही एक मात्र लक्ष्य देश के प्रति कर्तव्य का संस्कार भूल गए • सरकार के हर कदम, उपाय, योजना को स्वार्थी लोगों द्वारा सही ढंग से लागू नहीं होने देना	3
	–	घ	–	देश विभाजन के बाद दोनों ओर के विस्थापितों की भावनाओं की अभिव्यक्ति	1

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1 / 1	2 / 1 / 2	2 / 1 / 3		
			12.		
	–	–	क	तत्कालीन समाज नारी को जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में चयन / वरण या स्वतंत्र मत रखने का अवसर नहीं देता था, पंचायत का निर्णय सर्वोपरि (तर्क संगत उत्तर स्वीकार्य)	3
	–	–	ख	• जो यह जानते हैं कि उन्हें बाज़ार से क्या चाहिए; • आवश्यकतानुसार वस्तुओं को खरीद कर बाज़ार के महत्व को स्थापित कर, कपट को रोककर एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर	1+2=3
	–	–	ग	• ढोलक की आवाज से बीमार में जिजीविषा पैदा होना • मनोबल बढ़ना • भय के सन्नाटे को चीरना • ढोलक की गूँज का संजीवनी शक्ति सा प्रभाव (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	–	–	घ	पाकिस्तान से लाहौरी नमक भारत ले जाना प्रतिबंधित, बदनामी का भय	1
13.	13.	–	–	• पुरानी पीढ़ी के मूल्यों को ही सही मानना, संयुक्त परिवार के आदर्शों का मोह	

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• नई पीढ़ी की सोच से यशोधर बाबू की दूरी (परीक्षार्थियों के अन्य तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य)	4
	अथवा	–	–	• ऐन फ्रैंक द्वारा अपनी नितांत निजी डायरी के माध्यम से एक किशोरवय यहूदी लड़की की संवेदनशील दृष्टि से अपने समय का प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत • द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाज़ी शासन द्वारा दी गई यातनाओं की मार्मिक दास्तान जिसे बाद में प्रामाणिकता और जीवंतता के लिए सराहा गया	4
	–	13.	–	• पुरानी पीढ़ी के मूल्यों को ही सही मानना • संयुक्त परिवार के आदर्शों का मोह • पुराने दिनों की यादों से घिरे रहना • नई पीढ़ी की सोच से दूरी (परीक्षार्थियों द्वारा दिए गए अन्य तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य)	4
	–	अथवा	–	• अजायबघर में जीवनोपयोगी वस्तुओं का संग्रह – ताँबे और काँसे के बर्तन, विशाल मृद्भांड, चौपड़ की गोटियाँ, दीये, बाट, आईना, खिलौने, कंघी, औजार इत्यादि • राजतंत्र की शक्ति का प्रदर्शन नहीं,	4

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				शानदार भव्य मुकुट या राजप्रसाद का निर्माण नहीं • संग्रहीत सामानों में हथियार नहीं • कला एवं सौंदर्य बोध को महत्व	
	–	–	13.	• मध्यवर्गीय चेतना पुराने संस्कारों और नए जीवन–मूल्यों के बीच तालमेल करने में असहज • पुरानी पीढ़ी के मूल्यों को ही सही मानना • संयुक्त परिवार के आदर्शों का मोह • पुराने दिनों की यादों से घिरे रहना • नई पीढ़ी की सोच से दूरी (किन्हीं चार बिंदुओं का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित)	4
	–	–	अथवा	• ग्रामीण जीवन के खुरदुरे यथार्थ को भोगते हुए आगे बढ़ना • शिक्षा प्राप्ति के लिए अनेक स्तरों पर संघर्ष – व्यक्तिगत, पारिवारिक, समाज एवं विद्यालय में भी • प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों से संघर्ष • सामाजिक बाधाओं को पार करने का संघर्ष (उपर्युक्त बिंदुओं के साथ विद्यार्थियों के तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
14.	14.	14.	14.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	4x2=8
	क	क	क	सिंधु सभ्यता के समय– • सड़कें • गलियाँ • जल निकास व्यवस्था • नगर–योजना • नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था • वास्तुकला • लिपि चिह्नों का प्रयोग • साक्षर एवं सुसंस्कृत समाज (उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर दिए गए तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4
	ख	ख	ख	तत्कालीन स्थिति– • शारीरिक क्षमता के आधार पर भेद–भाव, • शिक्षा के अवसरों में कमी • नारी स्वतंत्रता और सम्मान का प्रश्न (वर्तमान संदर्भों को शामिल करते हुए दिए गए स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	ग	ग	ग	• दत्ताजी राव देसाई का समझदार व्यक्तित्व • तर्कबुद्धि • लेखक की पढ़ाई का खर्चा उठाने को तैयार होना • लेखक के पिता को प्रेरित करना (उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर सोदाहरण तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4
	घ	घ	घ	• अनुशासन • कार्यनिष्ठा • सिद्धांतप्रियता • पुरानी पीढ़ी के मूल्यों का सम्मान • संयुक्त परिवार के आदर्शों का मोह (उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर दिए गए स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	4

https://www.evidyarthi.in/